हवाई पत्र Aerogramme

To



दूसरा मोड SECOND FOLD

भेजने वाले का नाम और पता:– Sender's Name and Address:-
नोंसमण दुव
लाल महल के पास
्र प्राप्त के अन्दर कुछ न रखिये No Enclosures Allowed

पूजप बड़े में मा

सायर नरण स्पर्न.

क्विज्यम अपने जनमित पर मेरी मंगलमण शुमकामनार श्वीकार की मेर्ग में से जार्जना करता हूं कि आप स्वस्थ व उपन रहते हुर निरापु हों।

अगा से 2 वर्ष पूर्व मध्यप्रदेश कता परिषट दारा उक्किया राम नाम से उकारित आपसे दंबिया मीने ग्राफ देश था। तटकाल उसे बर ले आणा। उस कम्म नहीं मालूम था कि आप भी नरसिंहपुर की मिट्टी के हैं। मीनोग्राफ में बाविरिया का ती बाम था किंतु नरिहंदुर का नहीं। उसमें एक ग्राह आपका ग्रन्मरकान मंडला लिखा है।

के ही हैं और शिष्ट ही महां(अपने बलने) आने काले हैं। भार बंदी मारे बंदी मारे काले हैं। भारे बंदी मारे काले हैं। भारे बंदी मारे काले हैं। भारे बंदी आपका पत्र- व्यवहार नम रहा पात में अवस्थित जिल्ला आ कि जल्दी ही आपके द्वित व शा निकार

इसे अपना बहुत बड़ा दुर्भागा मानता हूं कि जात वर्ष जब आप भरा आप बन्हें- बार्गिया गर्म भव मुझे बीरेन्ड़ ने जरा भी दूबना न दी और जब आप बहां से कियो-बागपुर चले गर्म एव बाबा (रमेश तिबार्श) ने आपके आने ब चले जाने का कामार रिमा आप क्षेत्र भी नहीं करते के अम्म पुर्दे कितना दूख हुआ होगा में आपकी क्षिक क्रेन्स देखने के बेर्चन था। क्रित्वा आमाण है कि बर के बाजू से आप विकल गर्म और मुझे प्राप्त माणा अबिद बीरेन्ड (मेरा सेस्त जो आपके काले मेरी

की आपने भट्ट जाती से मन की अरबा भी लगा और बुरा भी अरबा इह कारक कारक कि आपने मिनारों से पान की अरबा भी लगा और बुरा भी अरबा इह

अरक्षा भेषा! एक व्यात वाराष्ट्रमे अव कव आजा होगा? आपसे बहुत वारे करना है। पत्र में लो तिशेष युद्ध निस्त वहीं पाता।

में महाँ में अवाकी पत्रोत्तर है किए क्रिकार में भारत का हवाई पत्र रखकार में तो उत्तह महाँ आने में कोई आद्विता तो नहीं क्षेत्री। इपार इसे स्पाद की उत्तर

अतः प्रकार भाभीने को मेरा प्रणामिक रतों को एकर्रा

नीलकि दुवे लाल महल के पान नरिंदपुर म. ए. मारत 487001

पुत्र श्री कार्य द्वा ही जिला होगा कि शित्र द द पुर भवानी प्राप्ति अस जी का 20.2.85 की न्यतिहुए में नियान ही गला उनका अंतिम देखार न्यतिहुए में ही तंपन दुमार्ग न्यतिहुए हे भाग्य म 5. व दंपूर्ण भाग है जिए गौरन है मान भी

23/9/85